

Based on **NEP**

पंखुड़ी

हिंदी पाठमाला

Textbook-cum-Workbook



8

Teacher Manual



Best Way Publication Pvt. Ltd.

A-1/50 B, Keshav Puram, New Delhi-110035

1. शक्ति और क्षमा



सोचकर बताइए

- (क) रामधारी सिंह दिनकर।
- (ख) उसे क्षमा शोभा देती है।
- (ग) प्रभु की दासता स्वीकार करने के लिए।

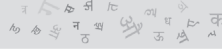
लिखित प्रश्न

1. क (ii) ख (iv) ग (ii) घ (iv) ङ (ii)
2. (क) **प्रसंग:-** प्रस्तुत पंक्तियाँ श्री रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित कविता शक्ति और क्षमा से ली गई हैं। यहाँ कवि क्षमा का महत्व बता रहा है।
व्याख्या: कवि कहना चाह रहे हैं कि क्षमा भी उस सर्प (भुजंग) को ही शोभा देती है जिसके मुँह में विष होता है, न कि उसे जो बिना दाँत का, बिना विष का, सीधा-साधा एवं विनय करने वाला हो।
(ख) **प्रसंग:-** प्रस्तुत पंक्तियाँ श्री रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित कविता शक्ति और क्षमा से ली गई हैं। यहाँ कवि ने सहनशीलता तथा धैर्य का महत्व बताया है।
व्याख्या: कवि कहना चाह रहे हैं कि जब श्री राम ने समुद्र से तीन दिनों तक मार्ग देने की विनती की तो वह मूर्ख नहीं माना; किंतु जब उन्होंने धनुष पर बाण चढ़ाया तो समुद्र शरीर धारण करके “त्राहि-त्राहि” करता हुआ उनकी शरण में आ गया और उनकी दासता स्वीकार की तथा वह मूर्ख बंधन में बँधकर मार्ग देने को तैयार हो गया।
3. (क) मार्ग देने की। (ख) वे अनीति फैलाते थे।
(ग) त्राहि-त्राहि कहता हुआ।
(घ) जब आपके पास बल रूपी दर्प हो।
4. (क) युधिष्ठिर ने कौरवों को युद्ध टालने के लिए क्षमा, दया, तप तथा मनोबल का सहारा लिया। उनसे अनुनय-विनय की किंतु दुष्ट दुर्योधन ने उसे कायर समझा। कौरवों ने क्षमा के महत्व को नहीं माना।

- (ख) यदि आपके पास शक्ति है तो आप क्षमा करने के भी अधिकारी हैं। बिना शक्ति के आप किसी को क्षमादान नहीं दे सकते हैं। भुजंग (सर्प), जिसके पास विष होता है, वही किसी को क्षमा भी कर सकता है।
- (ग) श्री राम लंका जाने के लिए समुद्र के सक्षम तीन दिनों तक अनुनय-विनय करते रहे। वे उससे मनुहार करते रहे किंतु वह (सिंधु) मार्ग देने के लिए तैयार नहीं हुआ इससे श्री राम जी का धैर्य टुट गया और उन्होंने प्रत्यंचा पर बाण चढ़ाया।



व्याकरण बोध



- (क) ??????????????

(ख) ??????????????

(ग) ??????????????

(घ) ??????????????
- (क) देश (ख) आम (ग) दवा (घ) समाचार-पत्र (ङ) लहर
- (क) अनु + ज = अनुज – छोटा भाई

(ख) जल + ज = जलज – कमल

(ग) पंक + ज = पंकज – कमल

(घ) अग्र + ज = अग्रज – बड़ा भाई

(ङ) मनु + ज = मनुज – मनुष्य

4.

उपसर्ग

शब्द

(क) सुयोधन – सु	सुयोग्य	सुकर्म
(ख) स्वदेश – स्व	स्वरूप	स्वतंत्र
(ग) विज्ञान – वि	विकार	विमान
(घ) परिजन – परि	परिचित	परिमल
(ङ) संपूज्य – सम्	संतोष	संपर्क

पठित पद्यांश

- (क) समुद्र के लिए। (ख) विनय की दीप्ति।
- (ग) जिसमें शक्ति विजय की हो। (घ) पूजने के लायक।

2. सुभागी



सोचकर बताइए

(क) घर और खेती-बाड़ी में।

(ख) सजन सिंह।

(ग) मुंशी प्रेमचंद।

लिखित प्रश्न

1. क (i) ख (i) ग (i) घ (iv)

2. (क) विश्वास (ख) आसरा (ग) पंचायत

(घ) तारीफ़ (ङ) अवतार

3. (क) वह आवारा और निकम्मा था।

(ख) वह सुशील थी तथा घर के कामों में निपुण थी।

(ग) वह लगातार बीमार रहने लगी।

(घ) सुभागी ने रात-दिन परिश्रम करके पैसा इकट्ठा किया और सजनसिंह का ऋण उतार दिया।

4. (क) (i) **सुभागी**— सुभागी आज्ञाकारी पुत्री है। वह अपने माता-पिता से बहुत प्यार करती है। वह घर के तथा खेतीबारी के कार्यों में निपुण हैं। वह पूरे गाँव की आँखों का तारा हैं। वह अपने व्यवहार से सभी का दिल जीत लेती है।

(ii) **तुलसी**— तुलसी एक परिश्रमी एवं ईमानदार व्यक्ति है। वह अपनी पुत्री सुभागी से बहुत स्नेह करता है। वह उसे सिर आँखों पर बिठाता है। गाँववाले भी उसकी खूब प्रशंसा करते हैं।

(iii) **सजनसिंह**— सजनसिंह नेक, ईमानदार, परिश्रमी एवं विश्वासपात्र व्यक्ति है। वह समय-समय पर सुभागी की मदद करते हैं। गाँव में प्रत्येक व्यक्ति उनकी इज्जत करता है।

(ख) सजनसिंह एक नेक दिल और ईमानदार व्यक्ति थे। वे यह अच्छी तरह जानते थे कि सुभागी एक स्वाभिमानी लड़की है वह उनके द्वारा दिए

गए ऋण को बिना चुकाए नहीं रहेगी। इसलिए उन्होंने अपने पुत्र के लिए सुभागी का हाथ पहले नहीं माँगा।

(ग) तुलसी ने सुभागी का विवाह कर दिया किंतु दुर्भाग्य से वह छोटी-सी उम्र में विधवा हो गई। अब तुलसी को उसका जन्म दंड जैसा लगने लगा। श्रीघ ही सुभागी ने अपने कार्यों और व्यवहार से सभी का दिल जीत लिया और वह सबकी चहेती बन गई। अब तुलसी को सुभागी का जन्म मंगलमय लगने लगा।

(घ) सुभागी का भाई रामू एक निकम्मा और आवारा व्यक्ति था। वह उससे ईर्ष्या करता था। सुभागी उसकी आँखों में खटकती थी क्योंकि तुलसी सदैव सुभागी का ही पक्ष लेती थी। रामू सदैव सुभागी से लड़ने के बहाने दूँढ़ता रहता था किंतु वह कुछ न कहती थी।



व्याकरण बोध



- (क) रवि ने अतिथियों को सिर आँखों पर बैठाया।

(ख) रिया ने चोरी करके माता-पिता के माथे पर कलंक लगा दिया।

(ग) हाथी के करतव देखकर सभी ने दाँतो तले उँगली दबा ली।

(घ) मैच जीतने पर प्रीति की खुशी का ठिकाना न रहा।

(ङ) गगन आजकल अपने मित्र के गले का हार बना हुआ है।
- (क) माँ ने कहा, “खाना खा लो।”

(ख) “आपकी बात न मानूँगी तो किसकी बात मानूँगी।”

(ग) वह बेचारी पहर रात से उठकर कूटने-पीसने में लग जाती, चौका-बरतन करती, गोबर थापती और खेत में काम करने चली जाती।

(घ) सजन ने सुभागी से कहा, “मेरी इच्छा है कि तुम मेरे घर की बहू बनकर मेरे घर को पवित्र करो।”
- (क) भारत + इंदु (ख) धर्म + अर्थ (ग) नीला + आकाश

(घ) परीक्षा + अर्थी (ङ) रेखा + अंकित (च) स्वभाव + अंतर
- (क) छह माह में एक बार होने वाला (ख) पाँच वृक्षों का समूह

(ग) नौ निधियों का समूह

(घ) चार आने

(ङ) आठ सिद्धियाँ हैं जो

(च) तीन कालों का समूह

(छ) तीन फलों का समूह

(ज) आठ अध्याय हैं जिसके

(झ) पाँच आब (नदियों) का समूह

(ञ) छह दर्शन हैं जिसके

पठित गद्यांश

(क) लक्ष्मी ने।

(ख) तेरहवी का सामान देखकर।

(ग) तेरहवी के दिन।

(घ) अब तुम भी आराम करो बेटी। सवेरे यह सब काम कर लेना।

3. आप भलौ तौ जग भल्ला



अभ्यास

सोचकर बताइए

(क) वह भौंकने लगा।

(ख) काँच के महल के समान।

(ग) अमेरिका के मशहूर लेखक। गाय पालने का शौक था।

लिखित प्रश्न

1. क (i) ख (iv) ग (iii) घ (ii)

2. (क) एक सेर जहर की अपेक्षा शहद की एक बूँद मक्खियों को अपनी ओर खींचती है।

(ख) लोग दूसरों की छोटी-छोटी त्रुटियों को तो देखते हैं किंतु अपनी बड़ी-बड़ी गलतियों को नज़रअंदाज कर देते हैं।

3. (क) क्योंकि अपने स्वभाव की छाया ही मनुष्य पर पड़ती है।

(ख) जो मूर्ख है वह नहीं जानता कि वह मूर्ख है तो वह सबसे बड़ा मूर्ख है।

(ग) प्रत्येक व्यक्ति गलतियाँ करता है।

(घ) वह लेखक की नुक्ताचीनी से दुखी होकर चला गया था।

4. (क) काँच के महल में दूसरे कुत्ते को भी अनेक कुत्ते दिखाई दिए। वह डरा नहीं; उसने प्यार से अपनी दुम हिलाई। उसे सभी कुत्तों की दुम हिलती दिखाई दी। वह खुश होकर दुम हिलाता हुआ आगे बढ़ा। दूसरे कुत्ते भी उसकी ओर दुम हिलाते बढ़े। वह खुशी से उछला-कूदा।
- (ख) लेखक कहता है कि उनका मित्र तुरंत बिगड़ जाता है और अपना आपा खो देता है। वह किसी के मान-अपमान की ज़रा भी परवाह नहीं करता है।
- (ग) जब पृथ्वी सिंह ने अहिंसा का मार्ग छोड़ दिया तो बापू ने उससे कहा कि वे सेवाग्राम स्थित उनके आश्रम में रहें। जिसे पृथ्वी सिंह ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। बापू का आश्रम एक प्रयोगशाला के समान था जिसमें वे सबको एक-साथ जोड़कर रखते थे।
- (घ) लेखक के मित्र अपनी जिदंगी और विचारों से पूरी तरह संतुष्ट हैं। उनका मानना है कि उनका जीवन, आचार और विचार आदर्श हैं। उनका सम्मान नहीं करने वाले लोग मूर्ख हैं।



व्याकरण बोध



- (क) कि (ख) की (ग) की (घ) कि
- (क) अ + शिष्ट (ख) अन + आवश्यक
(ग) अव + गुण (घ) उप + कार
(ङ) अप + मान (च) सम् + तोष
(छ) अ + हिंसा (ज) अन + उचित
- (क) कि (ख) और (ग) तो (घ) के सिवाय (ङ) अथवा
- (क) बैल (ख) नौकरानी (ग) बूढ़ा (घ) नेत्री
(ङ) नर मक्खी (च) लेखिका

4. पढ़ाहियान करी भारत यात्रा



अभ्यास

सोचकर बताइए

(क) चीन का।

(ख) खोतान से।

(ग) समुद्र में तुफान आने के कारण।

लिखित प्रश्न

1. क (i) ख (ii) ग (i) घ (iv)

2. (क) फाहियान ने अपने यात्रा-वृत्तांत में लिखा है कि पाटलिपुत्र नगर के धनी लोगों ने बेसहारा रोगियों के इलाज के लिए दवाखाने खोले रखे हैं।

(ख) भारत की यात्रा पूरी करके फाहियान ने स्वयं को भाग्यवान समझा। इसके लिए आज भी प्रत्येक भारतीय का मस्तक गर्व से ऊँचा हो उठता है।

3. (क) उनका प्यास तथा गरमी से बुरा हाल था। मार्ग में वे भटक गए।

(ख) वैशाली की दशा अच्छी थी।

(ग) पाटलिपुत्र बड़ा अद्भुत है।

(घ) बौद्ध धर्म की पुस्तकें व मूर्तियाँ।

4. (क) पहला रास्ता खोतान था तथा दूसरा रास्ता था लंका के टापूओं से होकर। खोतान से भारत-चीन व्यापार होता था। पहला स्थल मार्ग था तथा दूसरा जल मार्ग। फाहियान खेतान से भारत आया तथा लंका और जावा के मार्ग से होकर स्वदेश लौटा।

(ख) वह लिखता है कि उस काल में खोतान हरा-भरा और संपन्न बौद्ध राज्य था। आज तो यह उजाड़ हो गया है, किंतु प्राचीन महलों, स्तूपों, बागों और विहारों के रूप में उस राज्य की समृद्धि के चिह्न आज भी पाए जाते हैं।

(ग) मध्य प्रदेश की जलवायु न बहुत गर्म है, न बहुत ठंडी। बर्फ या कुहरा अधिकता में नहीं मिलता है। शासक लोग अत्याचार नहीं करते हैं। प्रजाजन को अधिक कर नहीं देना पड़ता है। लोग यहाँ-वहाँ घूमने के लिए स्वतंत्र है। अपराधी को उचित दंड दिया जाता है। विहारों में रहने वाले साधु-संत निःशुल्क भोजन प्राप्त करते हैं।



व्याकरण बोध



1. (क) ईमानदार लड़का (ख) चंचल लड़की (ग) थोड़ी चाय
(घ) दस सेब (ङ) कुछ रुपये

2. (क) नवीन (ख) कम (ग) विपन्न
(घ) कुरूप (ङ) नीचा (च) गर्म
3. (क) पहला (ख) रास्ता (ग) स्थान
(घ) दूसरा (ङ) पानी (च) गर्मी
4. (क) प्राचीन महलों, स्तूपों, बागों और विहारों के खंडहरों के रूप में उस राज्य की समृद्धि के चिह्न आज भी पाए जाते हैं।
(ख) विहारों में रहने वाले साधु-संतों को मुफ्त भोजन मिलता है।

5. रामप्रसाद 'बिस्मिल' का माँ के नाम पत्र



सोचकर बताइए

- (क) आर्य समाज के एक संन्यासी।
(ख) अमेरिका को स्वतंत्रता कैसे मिली।
(ग) राजेंद्रनाथ लहिड़ी तथा रोशन सिंह।

लिखित प्रश्न

1. क (ii) ख (iv) ग (i) घ (i)
2. (क) इस पंक्ति का आशय है कि विदेशी शासन भले ही स्वदेशी शासन से लाख गुणा बेहतर क्यों न हो किंतु वह गुलामी का प्रतीक होता है तथा उसे त्याग देना चाहिए।
(ख) इस पंक्ति का आशय है कि रामप्रसाद बिस्मिल की माँ उसे समय-समय पर समझाती रहती थी। जब बिस्मिल उसे याद करते हैं तो उनकी मंगलमयी मूर्ति का स्मरण हो आता है और उनका माथा श्रद्धा से झुक जाता है।
3. (क) रामप्रसाद बिस्मिल ने अपनी माँ को।
(ख) विदेशी शासन की निंदा।
(ग) देश सेवा, शिक्षा, चरित्र निर्माण
(घ) उनका स्नेह।
4. (क) अपने संगठन को विस्तार देने तथा हथियारों का ज़खीरा खरीदने के लिए

क्रांतिकारियों को धन की आवश्यकता थी। अतः उन्होंने सरकारी खजाने को लूटा।

(ख) रामप्रसाद बिस्मिल अपनी माँ ने उनमें देश-सेवा की भावना की तथा उन्हें एक उच्च चरित्र का स्वामी बनाया। जिस मनोहर रूप से उनकी माता उन्हें उपदेश देती थीं, उसका स्मरण करके बिस्मिल को उनकी मंगलमयी मूर्ति का ध्यान आ जाता था।

(ग) रामप्रसाद बिस्मिल अपनी माँ से यह आशीर्वाद माँग रहे हैं कि अंतिम समय में भी उनका हृदय किसी तरह से न डगमगाए तथा उनके चरणों को प्रणाम करते हुए तथा परमात्मा को याद करते हुए वह इस दुनिया से विदा लें।



व्याकरण बोध



1. (क) बेटा जातिवाचक संज्ञा (ख) काकोरी व्यक्तिवाचक संज्ञा
(ग) दया प्रेम भाववाचक संज्ञा (घ) पुस्तक जातिवाचक संज्ञा
2. (क) महर्षि (ख) राजेंद्र (ग) प्रत्येक (घ) सदैव
(ङ) दयानंद (च) स्वार्थ (छ) परमात्मा (ज) संसार
3. (क) दैविक, लौकिक (ख) लघुता, प्रभुता (ग) धनवान, गुणवान
(घ) पतित, चिंतित (ङ) चिकनाहट, घबराहट (च) चमकीला, रंगीला
4. (क) दूल्हा, वरदान (ख) मुलाकात, उपहार (ग) पेज, पिछला
(घ) वर्ण, ब्रह्मा (ङ) भारी, शिक्षक (च) बोली, कथन

6. आ रही रवि की सवारी



अभ्यास



सोचकर बताइए

(क) रवि की।

(ख) रथ को।

(ग) तारकों की फौज।

लिखित प्रश्न

1. क (i) ख (ii) ग (i) घ (iv)

2. (क) **प्रसंग:-** प्रस्तुत पंक्तियाँ श्री हरिवंश राय बच्चन द्वारा रचित कविता 'आ रही रवि की सवारी' से ली गई हैं।

व्याख्या: इन पंक्तियों के माध्यम से कवि कहते हैं कि अब सूर्योदय का समय हो चुका है। सूर्य का रथ नई किरणों से सुसज्जित है। फूलों की कलियों से मार्ग सुशोभित है। बादल जो सूर्य के सेवक हैं, वे सोने के वस्त्र धारण किए हुए हैं। ये सभी सूर्य के स्वागत के लिए खड़े हैं।

- (ख) **प्रसंग:-** प्रस्तुत पंक्तियाँ श्री हरिवंश राय बच्चन द्वारा रचित कविता 'आ रही रवि की सवारी' से ली गई हैं।

व्याख्या: इन पंक्तियों के माध्यम से कवि कहते हैं कि सूर्य की सवारी आ रही है। इस खुशी में पक्षी, प्रशंसा के गीत गाने वाले लोग सूर्य की वंदना करते हुए उसके यश और कीर्ति के गीत गा रहे हैं। तारों की पूरी फौज भी मैदान छोड़कर भागी जा रही है। अब सूर्य अपनी सवारी के साथ आ रहे हैं।

3. (क) पूरे उत्साह के साथ।

(ख) पक्षी, गीत गाने वाले।

(ग) भिखारी बनकर।

4. (क) रवि का रथ पूरी चमक-दमक के साथ सुशोभित हो रहा है। उसके स्वागत में सारा रास्ता फूलों से सजा है।

(ख) रात का राजा अर्थात् चंद्रमा सूर्य की तक्षिणता के आगे स्वयं को विवश पाता है। वह अपनी छटा बिखेरने में असमर्थ है। अतः वह अप्रसन्न है।

(ग) इस कविता में कवि ने सूर्य के प्रतीक के माध्यम से समय की परिवर्तनशीलता को दर्शाया है। कवि कहता है कि परिवर्तन इस संसार का अटल सत्य है।

(घ) बादलों से अनुचरों ने स्वर्ण की पोशाक धारी।

रात का राजा खड़ा है राह में बनकर भिखारी।



व्याकरण बोध



1. (क) की ओर

(ख) पर

(ग) के साथ

(घ) के बिना

(ङ) के बारे

2. (क) मधुरता (ख) पशुता (ग) स्वास्थ्य
(घ) अपनत्व (ङ) आलस्य (च) चालाकी
3. (क) छवि (ख) अलि (ग) बायें
(घ) मंदी (ङ) बात (च) शिकारी
4. (क) की (ख) का (ग) से (घ) की (ङ) में
5. (क) पानी – जल, नीर, अंबु (ख) चंद्रमा – शशि, मयंक, चाँद
(ग) फौज – दल, सेना, वाहिनी (घ) किरण – अंशु, रश्मि, प्रभा
(ङ) भिखारी – भिक्षुक, याचक, भिक्षु
(च) बादल – घन, मेघ, जलद

7. दुख का अधिकार



सोचकर बताइए

- (क) दूसरे के ईमान-धर्म का ख्याल तो रखना चाहिए।
(ख) कछियारी करता था।
(ग) उसके पास दूसरा रास्ता नहीं था।

लिखित प्रश्न

- क (i) ख (iv) ग (iv) घ (ii)
- (क) नीयत (ख) कछियारी (ग) साहस (घ) द्वार (ङ) सिरहाने
- (क) जब हम निचली श्रेणियों की अनुभूतियों को समझना चाहते हैं।
(ख) वह पुत्र की मृत्यु के अगले दिन बाज़ार में खरबूजे बेचने गई थी।
(ग) जैसी नीयत होती है, अल्लाह भी वैसी बरकत देता है।
- (क) खरबूजा बेचने वाली स्त्री गरीब थी। उसे पुत्र के मर जाने का दुख था।
क्योंकि वह गरीब थी सो अगले ही दिन बाज़ार में खरबूजे बेचने चली गई जबकि संभ्रांत महिला अपने पुत्र की मृत्यु के उपरांत अढ़ाई माह तक बिस्तर में पड़ी रही थी। दो डॉक्टर हरदम उसके सिरहाने बैठे रहते थे।

- (ख) लेखक कहना चाहता है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना दुख प्रकट करने का हक है। प्रत्येक व्यक्ति की पोशाक ही कई खास परिस्थितियों में अड़चन बन जाती है।
- (ग) इस कथन का आशय है कि हर व्यक्ति अपने-अपने अलग ढंग से शोक और गम प्रकट करता है।
- (घ) हर व्यक्ति को अपना दुख प्रकट करने का हक होता है। इसके लिए कोई उसके मार्ग में अड़चन नहीं बन सकता है।



व्याकरण बोध



- (क) वस्तु कम, चाहने वाले अधिक

(ख) ताकत में बल होता है।

(ग) बिना किसी राय का

(घ) कपटी व्यक्ति

(ङ) किसी चीज़ में अतिरिक्त उत्कृष्टता (लाभ)

(च) आपसी फूट से हानि होना
- (क) बाज़ार - ब् + आ + ज् + आ + र् + अ

(ख) बुढ़िया - ब् + उ + ढू + इ + य् + आ

(ग) खरबूजा - ख् + अ + र् + अ + ब् + ऊ + ज् + आ

(घ) अधिकार - अ + ध् + इ + क् + आ + र् + अ

(ङ) महिला - म् + अ + ह् + इ + ल् + आ
- (क) महात्मा (ख) सभा-मंडप (ग) स्वाधीनता-संग्राम

(घ) गंगा पुत्र (ङ) पथ भ्रष्ट (च) चौराहा
- (क) मात्र (ख) ही (ग) तक (घ) भर (ङ) ही

8. चारू



सोचकर बताइए

- (क) रवींद्रनाथ ठाकुर।

(ख) नारी।

(ग) पालकी में बैठना।

लिखित प्रश्न

1. क (i) ख (iii) ग (iii) घ (i)
2. (क) विस्तृत (ख) प्रकाशहीन (ग) परिवेश
(घ) आबद्ध (ङ) बाह्य
3. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (v) (घ) (i) (ङ) (ii)
4. (क) लेखक कहता है कि सदियों से नारी की बुद्धि, संस्कार तथा आचरण (व्यवहार) युगों-युगों से तय की गई सीमाओं (मर्यादाओं) में बँधे रहे हैं, अर्थात् उन्हें संपूर्ण स्वतंत्रता नहीं है।
(ख) लेखक कहता है कि जब नदी में बाढ़ आ जाती है अथवा कोई अन्य प्राकृतिक कारण होता है तो नदी तट की भूमि अपने आप ही पीछे की ओर हट जाती है।
(ग) लेखक कहता है कि अब समय धीरे-धीरे बदल रहा है तथा महिलाओं का जीवन-क्षेत्र बढ़ता जा रहा है। वे अब खुले संसार में प्रवेश कर रही हैं।
5. (क) आद्या शक्ति। (ख) पालकी में बैठकर।
(ग) तीव्र गति से। (घ) लड़कियों के।
(ङ) सभ्यता के नए युग की शुरुआत होने का।
6. (क) पहले की अपेक्षा अब स्त्रियों के जीवन में बहुत परिवर्तन आ चुका है। अब वे शिक्षा ग्रहण करती हैं। वे नए संसार में प्रवेश कर रही हैं। खेल, राजनीति, चिकित्सा, अर्थशास्त्र आदि सभी क्षेत्रों में उनका योगदान है। उनके मन पर पड़ा हुआ आवरण भी अब दूर हो रहा है।
(ख) जब स्त्रियाँ प्रकाशहीन स्थल में घर सँभालती रहीं।
(ग) घर-परिवार की परिधि में सहज ही उनके सभी काम पूरे हो जाते थे। गृहस्थी के काम के लिए किसी विशेष शिक्षा की ज़रूरत नहीं थी।
(घ) स्त्रियों का जो मनोभाव बद्ध संसार में उपयुक्त है, वह मुक्त संसार में अचल होकर नहीं रह सकता है।

- (ड) आज वधू परीक्षा का मापदंड सार्वभौमिक मूल्य वाली विद्या की ओर ध्यान देना है। जो केवल गृहस्थी के प्रयोजनों की सिद्धि तक सीमित नहीं है।
- (च) यदि भद्र समाज में नारी निरक्षर रह जाती है तो यह उसके लिए कलंक होगा। वह समाज में स्वयं को असहज तथा लज्जित महसूस करेगी।
- (छ) लेखक इस बात के प्रति पूरी तरह से आश्वस्त है कि सभ्यता का नया युग आरंभ होगा। साथ ही इस नई सृष्टि में नारी का कार्य पूरी तरह संपन्न होगा।



व्याकरण बोध



1. (क) नीलू एक वाचाल स्त्री है।
रवि की पत्नी का नाम सिमरन है।
- (ख) 1857 की क्रांति बहुत प्रसिद्ध है।
आज रीमा के चेहरे पर कांति है।
- (ग) कृपया मुझे घर जाने की अनुमति दे।
आपने मेरी आज्ञा का उल्लंघन किया है।
- (घ) भारत में अनेक पुरातन इमारते हैं।
हिन्दू धर्म सनातन है।
2. (क) रानी की चारों पुत्रियाँ गुणवती थीं।
- (ख) लेखिका महोदया संपादिका भी हैं।
- (ग) आज वर परीक्षा है।
- (घ) सरकस में शेरनी, बंदरिया, हथिनी और बाघिन थी।
- (ड) श्रीमती मैथानी के पिता जी प्रधानाध्यापक हैं।
3. (क) आँधी में वायु से वृक्ष गिर गया।
- (ख) मैंने दिन में ही अपने नेत्रों से देखा है।
- (ग) स्त्रियों का योगदान भुलाया नहीं जा सकता।

(घ) सरिता का वेग रुक नहीं सकता।

(ङ) नभ में मयंक चमक रहा था।

4. (क) संबंध, अधिकरण (ख) संबंध (ग) करण
(घ) करण, कर्म (ङ) संबंध, अपादान

9. साइकिल की सवारी



सोचकर बताइए

- (क) लेखक ने पाठ में वर्ष 1932 की बात की है।
(ख) ताकि कोई उन्हें देख न ले।
(ग) भगोड़े सिपाही।

लिखित प्रश्न

- क (iii) ख (i) ग (i) घ (iv)
- ??????
- (क) क्या हम ही अनाड़ी हैं। सारी दुनिया चलाती है।
(ख) चोट लगने पर उपचार के लिए।
(ग) साइकिल सीख जाने के कारण।
(घ) सारा दोष तिवारी जी पर डाल दें।
- (क) लेखक के बेटे ने उन्हें बिना बताए साइकिल चलाना सीखा लिया था तथा वह उसके सामने साइकिल पर सवार होकर निकलने लगा। लेखक को यूँ लगा, मानों वह उन्हें चिढ़ा रहा हो।
(ख) लेखक ने अपनी पत्नी से पुराने कपड़ों की मरम्मत करवाई। चोट लगने पर उपचार करने के लिए जंबक के दो डिब्बे खरीद लिए।
(ग) लेखक नया-नया साइकिल चलाना सीखा था। वह सड़क पर साइकिल चलाने का अभ्यस्त नहीं था। ताँगे को सामने से आता देखकर वह घबरा गया। उसे पता ही न था किंतु वह ऐसा नहीं कर सका तथा ताँगे के नीचे आ गया।

(घ) इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि संकट के समय हमें धैर्य और सूझबूझ से काम लेना चाहिए।



व्याकरण बोध



1. (क) कि (ख) और (ग) लेकिन (घ) ताकि
2. (क) बाहर स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(ख) कम परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
(ग) सहसा रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(घ) अभी कालवाचक क्रियाविशेषण
3. (क) घंटियाँ (ख) रुपये (ग) लड़के (घ) पुर्जे
(ङ) डिब्बे (च) घोड़े (छ) शरारतें (ज) सड़किलें

10. नीति के दोहे



सोचकर बताइए

- (क) सबके साथ मिलजुल कर।
(ख) आलसी व्यक्ति
(ग) जब हित की बात नहीं होती है।

लिखित प्रश्न

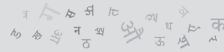
1. क (iii) ख (i) ग (iii) घ (i)
2. (क) इन पंक्तियों में तुलसीदास जी कहते हैं कि इस विश्व में तरह-तरह के लोग पाए जाते हैं। अतः हमें सभी के साथ इस प्रकार हिल-मिलकर रहना चाहिए जिस प्रकार नाव तथा नदी का संयोग होता है तथा दोनों सुचारू रूप से चलते हैं।
(ख) जिस प्रकार कृषि सूख जाए तो वर्षा होने का कोई लाभ नहीं होता है उसी प्रकार समय के बीत जाने पर पछताने से कोई लाभ नहीं होता है।
(ग) इन पंक्तियों में तुलसीदास जी कहते हैं कि मंत्री, वैद्य और गुरु यदि

अप्रसन्नता के डर अथवा लाभ की आशा करके हित की बात न कहकर, केवल प्रिय (मधुर) वचन बोलते हैं तो राज्य, शरीर तथा धर्म का शीघ्र ही नाश हो जाता है।

3. (क) सबसे मिलजुल कर।
(ख) आलसी व्यक्ति; वे भाग्य के भरोसे बैठे रहते हैं।
(ग) परपीड़ा को।
(घ) कठोर वचनों को।
4. (क) तुलसीदास जी कहते हैं कि समय रहते ही हमें सभी कार्य कर लेने चाहिए क्योंकि समय के बीत जाने पर पछताने से कोई लाभ नहीं होता है।
(ख) सज्जनों को लोगों से प्रशंसा मिलती है क्योंकि वे सदा परहित के कार्यों में लगे रहते हैं।
(ग) इस दोहे के माध्यम से तुलसीदास जी कहते हैं कि जिस परिवार, समाज अथवा राष्ट्र में लोगों में सुमति होगी, वह परिवार, समाज अथवा राष्ट्र धन-धान्य से परिपूर्ण होगा।
(घ) दूसरों की भलाई को तुलसीदास जी ने सबसे बड़ा धर्म माना है क्योंकि इससे हमें पुण्य प्राप्त होता है।



व्याकरण बोध



1. (क) बाद में एक दिशा जवाब
(ख) आकाश वस्त्र बादल
(ग) कार्य कामदेव पेशा
(घ) रूपरेखा मानचित्र लक्षण
(ङ) अक्षर ब्रह्मा रंग
2. (क) राजू आज आया है परंतु रवि नहीं आया है।
(ख) सदा सत्य बोलो।
(ग) आज का मौसम सुहावना है।
(घ) रघु और मयंक पार्क में खेल रहे हैं।
(ङ) यहाँ वाहन खड़ा करना मना है।

3. (क) जानने (ख) चूमने (ग) निष्ठा (घ) तेज़ (ङ) प्रशंसा
4. (क) राष्ट्र + ईय (ख) अड़ना + इयल (ग) मामा + ऐरा
(घ) धर्म + इक (ङ) खेल + आड़ी

11. सफ़ेदपोश शैतान



सोचकर बताइए

- (क) मिस्टर देसाई से।
(ख) मिस्टर पाल।
(ग) दो हजार रुपयों में।

लिखित प्रश्न

- क (i) ख (ii) ग (iii) घ (i)
- (क) मि० पाल व्यंग्यपूर्वक कहता है कि कोई व्यक्ति शौक से चोरी नहीं करता है। वह मजबूरी में ऐसा करता है। अपराधी तो समाज रूपी टकसाल में ढाले जाते हैं।
(ख) मि० पाल कहते हैं कि कोई बड़ी रकम कैसे चुरा सकता है। इतनी बड़ी रकम को पचाने के लिए बड़ा दिल भी तो चाहिए।
(ग) मि० पाल ने मि० लाल से कहा कि बड़े-बड़े लोग सभी शैतान हैं; सफ़ेदपोश शैतान। वे कभी पकड़े नहीं जाते हैं और अपराध करते रहते हैं।
(घ) मि० पाल व्यंग्यपूर्वक अपने पार्टनर मि० लाल से पूछता है कि जिस आदमी को शरीफ़ मान लिया जाता है क्या वह कभी चोरी नहीं कर सकता है।
- (क) मि० पाल ने क्योंकि दफ़्तर में चोरी हो गई थी।
(ख) मि० देसाई को, कोई सौदा पट गया था।
(ग) मि० लाल के दफ़्तर में चपरासी था।
(घ) क्लब में।
(ङ) मंगल ने मजबूर होकर चोरी की थी।

4. (क) लाल साहब समझते हैं कि कोई भी व्यक्ति जो गरीब है वह चोरी कर सकता है; किंतु अमीर लोग नहीं। वहीं पाल साहब कहते हैं कि अमीर लोग भी चोरी कर सकते हैं और कोई उन्हें पकड़ नहीं सकता है। उनके अनुसार अपराधी समाज की टकसाल में ढाले जाते हैं।
- (ख) वास्तव में चोरी पाल ने की थी। वह इन पैसों से क्लब में जुआ खेलकर अधिक पैसा कमाना चाहता था किंतु वह सारे पैसे हारता ही चला गया।
- (ग) ??।
- (घ) मि० पाल एक अय्याश व्यक्ति हैं। वह जुआ खेलता है तथा बिना बताए दराज से रुपये भी चोरी कर लेता है जबकि मि० लाल एक शक करने वाला व्यक्ति है। वह गरीबों को शक की दृष्टि से देखता है। वह आसानी से दूसरों की बातों में आ जाता है।
- (ङ) इस एकांकी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें बिना सोचे-समझे तथा बिना सच्चाई को जाने ही किसी को दोषी नहीं मान लेना चाहिए।



व्याकरण बोध



- (क) आज्ञावाचक (ख) निषेधवाचक (ग) आज्ञावाचक
(घ) विधानवाचक (ङ) प्रश्नवाचक (च) विधानवाचक
- (क) नीरस (ख) गवाह (ग) सुलभ (घ) कृतज्ञ
- (क) रवि ने अपने पार्टनर को चूना लगा दिया।
(ख) पुलिस को सामने देखकर चोर के चेहरे का रंग उड़ गया।
(ग) चोरों ने हार पर हाथ साफ़ कर दिया।
(घ) मैंने बड़ी मुश्किल से प्रिया से अपना पिंड छुड़ाया।
- समास विग्रह समास का नाम
(क) मुँह से माँगी अव्ययीभाव
(ख) गिरह का कट तत्पुरुष
(ग) समाज का सुधारक तत्पुरुष
(घ) दवा और दारू द्वंद्व
(ङ) शक्ति के अनुसार तत्पुरुष

(च) चार भुजाएँ हैं जिसकी अर्थात् विष्णु

बह्वीहि

5. (क) का (ख) पर (ग) के लिए (घ) को

पठित गद्यांश

(क) बदनसीब।

(ख) मि० पाल तथा मि० लाल को।

(ग) वह जीतकर रुपये दराज में चुपचाप रख देगा।

(घ) वह सारे रुपये हार गया।

12. अपराधित



सोचकर बताइए

(क) डॉ० चंद्रा को, उसकी कार्यकुशलता को देखकर।

(ख) माइक्रोबायोलॉजी की सामग्री का कुछ प्रबंध हो जाएगा।

(ग) माइक्रोबायोलॉजी में।

लिखित प्रश्न

1. क (i) ख (i) ग (iv) घ (ii)

2. क ✕ ख ✓ ग ✓ घ ✕

3. (क) डॉ० चंद्रा का निर्जीव धड़ होने के बाद भी वह अपने सभी कार्य व्हील चेयर पर बखूबी करती हैं। वह चाहती है कि कोई उसे सहारा न दे। लेखिका ने जब डॉ० चंद्रा को देखा तो उसे अपने जीवन की कोई भी कमी बहुत छोटी प्रतीत होती है।

(ख) जैसे ही लेखिका ने डॉ० चंद्रा का कार से घर के अंदर आवागमन देखा तो वह दंग रह गई। ऐसी कार्यकुशलता; वह भी बिना किसी सहारे के। इसीलिए लेखिका ने डॉ० चंद्रा को देवांगना से कम नहीं बताया है।

(ग) डॉ० चंद्रा ने लेखिका को बताया कि अब वह व्हील चेयर की मदद से अपनी प्रयोगशाला में कहीं भी सरलता से आ-जा सकती हैं। उसे किसी के सहारे की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

(घ) इन पंक्तियों में लेखिका का आशय है कि प्रभु सभी मौके एक साथ बंद नहीं करते हैं। यदि वह एक मौका बंद भी कर देते हैं तो तुरंत दूसरा मौका खोल देते हैं; जैसा डॉ० चंद्रा के विषय में उसने स्वयं देखा था।

4. क (iii) ख (iv) ग (v) घ (ii) ङ (i)

5. (क) पोलियो ने।

(ख) प्रधानमंत्री ने।

(ग) ईश्वर सब द्वार एक साथ बंद नहीं करता है।

(घ) पच्चीस वर्ष।

(ङ) हाँ।

6. (क) डॉ० चंद्रा अपने निर्जीव निचले धड़ को बड़ी कुशलता से कार से नीचे उतारती तथा बैसाखियों से व्हील चेयर तक पहुँचकर उसमें बैठ जाती थी तथा बड़ी तटस्थता से उसे स्वयं चलाकर कोठी में चली जाती।

(ख) डॉ० चंद्रा की डॉक्टर बनने की इच्छा थी। परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर भी उसे मेडिकल में प्रवेश नहीं मिला क्योंकि उसका निचला धड़ निर्जीव था तथा वह सफल शल्य-चिकित्सक नहीं बन सकती थी।

(ग) डॉ० चंद्रा ने बी०एस०सी० तथा एम०एस०सी० प्राणिशास्त्र में उत्तीर्ण की। उन्होंने अपने विषय माइक्रोबायोलॉजी में 1976 में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।

(घ) बहुत बड़ी-बड़ी उदास आँखें, जो माँ-पुत्री की व्यथा कह रही हैं। पुत्री की पहिया लगी कुरसी के पीछे चक्र-सी घूमती जननी, नाक के दोनों ओर हीरे की जगमगाती दो लौंगें, अधरों पर विजय का उल्लास, जूड़े में पुष्पवेणी।

(ङ) डॉ० चंद्रा की कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें अपनी व्यक्तिगत अपंगताओं को दरकिनार करके निरंतर प्रयास करते रहने चाहिए। निश्चय ही, सफलता एक दिन हमारे कदम अवश्य चूमती है।



व्याकरण बोध



1. (क) निर्जीव (ख) अरुचि (ग) अनाचार (घ) निस्त्साह

(ङ) अवमानना (च) पुनर्जीवन

2. (क) सर्वज्ञ (ख) जिजीविषा (ग) नीरस (घ) शापग्रस्त
3. (क) प्रथम (ख) निर्दोष (ग) निर्जीव (घ) दानव
(ङ) मृदु (च) पुरस्कृत (छ) दुर्गति (ज) दुर्गम
4. (क) गई थीं (ख) रह गई (ग) हुआ (घ) लेती हूँ
(ङ) जीते (च) दिखाए
5. (क) नरोत्तम (ख) संगीत (ग) कवींद्र
(घ) दिगंबर (ङ) सिंधूर्मि (च) तल्लीन

13. अतिथि-सत्कार



सोचकर बताइए

- (क) आवाज़ देने की फुरसत।
- (ख) कोई ठहरने लायक गाँव के बारे में।
- (ग) आसपास कई चोरियाँ हो गई हैं।

लिखित प्रश्न

1. क (i) ख (iv) ग (i) घ (iv)
2. क ✓ ख ✓ ग ✓ घ ✓ ङ ✕
3. (क) घुमक्कड़।
(ख) उसे ज़मीनदार ने अनुमति नहीं दी थी।
(ग) आसपास कई चोरियाँ हो गई थीं।
(घ) भिखारी का।
4. (क) विद्यार्थी ने ज़मींदार को बताया कि वह एक विद्यार्थी है। वह ऐतिहासिक स्थलों को देख रहा है। अतः वह पैदल यात्रा कर रहा है और उसके यहाँ रात बिताना चाहता है। इस पर, ज़मींदार ने उससे कहा कि वह ठहरने की अनुमति नहीं दे सकता है क्योंकि आसपास कई चोरियाँ हो गई हैं।

(ख) काफी देर भटकने के बाद विद्यार्थी फिर से ज़मींदार के घर के बाहर पहुँच गया था। उसे देखते ही ज़मींदार क्रोधित हो गया। कुछ लोगों ने तो उसे चोर समझ लिया। वह बहुत अधिक घबरा गया। अंत में, उसने अपने दो परिचय पत्र दिखाए। तब कहीं लोगों ने उसका पीछा छोड़ा और वह पुनः धर्मशाला की ओर चल पड़ा।

(ग) दृष्टिहीन भिखारी ने उसके बारे में उससे पूछा। उसने जवाब दिया कि वह एक मुसाफिर है। वह बोला इतनी रात में कहाँ से आए हो। विद्यार्थी ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद दृष्टिहीन भिखारी ने उसे अपने पास बुला लिया।

(घ) विद्यार्थी ने दृष्टिहीन भिखारी को आपबीती कह सुनाई। भिखारी ने विद्यार्थी की पूरी बात सुनी तथा उसकी टाँगें दबाई।



व्याकरण बोध



1.	तत्सम	तद्भव	देशज	विदेशज
	रात्रि	गाँव	ठेला	फुरसत
	दुग्ध	रात	पेट	सफ़र
	ग्राम	दूध	थैली	दरवाज़ा

2. (क) पाद (ख) नर (ग) चाह

(घ) जल (ङ) भिक्षुक (च) कर

3. (क) दिन — किसान दिन-रात परिश्रम करते हैं।

दीन — रविश दीन-हीन अवस्था में मुझे मिला।

(ख) भवन — राजीव का भवन बहुत सुंदर है।

भुवन — राजा का भुवन विशाल था।

(ग) अंक — राजीव ने हिंदी में 75 अंक प्राप्त किए।

अंग — हमें अंग दान करना चाहिए।

(घ) अवधि — अजय ने कम अवधि में बंगला सीख ली थी।

अवधी — तुलसीदास जी ने अवधी भाषा में रचना की थी।

(ङ) उपकार — हमें दूसरों पर उपकार करना चाहिए।

अपकार — किसी का अपकार करना अच्छी बात नहीं है।

4. (क) इक - लौकिक (ख) ता - परतंत्रता (ग) पन - बचपन
(घ) ईय - नरकीय (ङ) इक - धार्मिक (च) एरा - ममेरा
(छ) दार - ईमानदार (ज) इत - प्रभावित

14. नींव की ईंट



अभ्यास

सोचकर बताइए

- (क) भवन की आधारशिला।
(ख) चमक-दमक।
(ग) सत्य हमेशा कठोर होता है।

लिखित प्रश्न

- क (i) ख (iv) ग (i) घ (iii)
- (क) जन्म (ख) होड़ा-होड़ी (ग) लुप्त (घ) कठोर
- (क) ऊपर से उसके साथियों को स्वच्छ हवा एवं रोशनी मिलती रहे।
(ख) ईसा की शहादत से।
(ग) कंगूरा बनने की।
- (क) लेखक कहता है कि कँगूरा बरबस लोक-लोचनों को लुभाता है। कँगूरा किसी भी इमारत की शान होता है।
(ख) नींव की ईंट के पुख्तेपन पर सारी इमारत की अस्ति-नास्ति निर्भर करती है। नींव की ईंट ने स्वयं को नींव में अर्पित करना बेहतर समझा। नींव की ईंट ने अपने लिए अंध कूप स्वीकार कर लिया।
(ग) ईसा की शहादत ने ईसाई धर्म को ऊपर बना दिया किंतु लेखक की दृष्टि में ईसाई धर्म को अमर बनाया उन्होंने, जिन्होंने इसके प्रचार में स्वयं को अनाम उत्सर्ग कर दिया।
(घ) लेखक चाहता है कि नौजवान स्वयं को नींव की ईंट बनाने में खपा दें। वे सात लाख गाँवों का एवं हजारों शहरों तथा कारखानों का नव-निर्माण करें और कँगूरा बनने के लिए होड़ा-होड़ी न मचाएँ। वे शाबाशियों तथा दलबंदियों से दूर रहें।



1. (क) खून-पसीना एक कर दिया।
(ख) ताँता लग गया।
(ग) पत्थर पर जोंक नहीं लगती।
2. (क) गाड़ दिया है। (ख) मुस्कुरा रहा है।
(ग) याद किये जाएँगे। (घ) बनी थी।
3. (क) बादशाह (ख) असभ्य (ग) इच्छा
(घ) त्याग (ङ) गायब (च) सौंदर्य
4. (क) स्त्रीलिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) स्त्रीलिंग
(घ) पुल्लिंग (ङ) स्त्रीलिंग (च) स्त्रीलिंग

15. परिंदे की प्ररियाद



सोचकर बताइए

- (क) अल्लामा इकबाल।
(ख) परतंत्रता का।
(ग) बाग की बहारें, खुशी से चहचहाना, मर्जी से आना-जाना।

लिखित प्रश्न

1. क (iv) ख (iii) ग (iv) घ (iii)
2. (क) प्रस्तुत पंक्तियों का आशय यह है कि कैदी पक्षी का जब से घर छूटा है; वह बहुत दुखी हो गया है। हालत यह हो गई है कि दिल ग़म को खा रहा है तथा ग़म दिल को खा रहा है। कैदी पक्षी की दुर्दशा है।
- (ख) प्रस्तुत पंक्तियों का आशय यह है कि कैदी पक्षी सुनने वालों से यह कह रहा है कि उसकी फ़रियाद को गाना समझकर खुश न हो। वह रहा है कि उसकी यह आवाज़ (सदा) दुखते हुए दिलों की फ़रियाद (विनती) है।

3. (क) सुनने वालों से।
 (ख) वह अब कैद में पड़ा है; विवश है।
 (ग) वह अपने घर जाने के लिए तरस रहा है।
4. (क) कैद करने वाले से कैदी आजादी की फ़रियाद कर रहा है वह चाहता है कि कैद करने वाला उसे छोड़कर ख़ूब दुआएँ ले।
 (ख) कैदी को यह डर है कि वह पिंजरे में गुलामी के दुख से न मर जाए। वह अँधेरे घर में अपनी किस्मत को रो रहा है। वह अपने ही देश में कैद हो गया है। उसका दिल ग़म को खा रहा है तथा ग़म दिल को खा रहा है।
 (ग) कवि ने कविता का शीर्षक 'परिंदे की फ़रियाद' ठीक ही रखा है क्योंकि कैदी पक्षी उसे कैद करने वाले से उसे छोड़ देने की फ़रियाद ही तो कर रहा है।
 (घ) प्रस्तुत कविता कवि अल्लामा इकबाल ने लिखी है। इसमें कैद पक्षी अपने पुराने दिनों को याद कर रहा है। वह अपने आशियाने में बहुत खुश था। पिंजरे में कैद पक्षी स्वयं को बदनसीब मान रहा है। वह चाहता है कि काश! रिहाई उसके बस में होती। जब से उसका घर छुटा है; वह बहुत दुखी हो रहा है। वह सुनने वालों से कहता है कि वे उसकी फ़रियाद को गाना न समझें। अतः वह कैद करने वाले से कहता है कि वह उस बेजुबान कैदी को रिहा करके दुआएँ ले।



व्याकरण बोध



1. (क) संबंध (ख) अपादान (ग) अधिकरण (घ) कर्म
 (ङ) करण (च) अधिकरण (छ) संप्रदान
2. (क) के ऊपर (ख) के अदर (ग) के बिना (घ) के द्वारा
3. (क) खुशी (ख) बदनसीबी (ग) अंधकार
 (घ) रिहाई (ङ) आजादी
4. (क) विनती, निवेदन (ख) भाग्य, दैव (ग) मुक्ति, स्वतंत्रता
 (घ) बाग, उपवन (ङ) नीड़, आश्रय (च) दुख, संताप
 (छ) घर, गृह (ज) हृदय, उर

16. शुभ-अशुभ का चक्कर



सोचकर बताइए

- (क) प्रथम विश्व युद्ध के आसपास की।
- (ख) तुर्की, जर्मनी, अमेरिका, तथा इंग्लैंड।
- (ग) तुर्की का ड्रेडनॉट नष्ट हो गया।

लिखित प्रश्न

1. क (i) ख (ii) ग (i) घ (i)
2. (क) इन पंक्तियों का आशय है कि चर्चिल को ब्राउन की देशभक्ति तथा कर्मठता पर पूरा भरोसा था।
(ख) जब ब्राउन ने पनडुब्बी देखी तो वह घबरा गया क्योंकि वह बहुत जर्जर थी उससे ड्रेडनॉट को नष्ट करना असंभव था।
3. (क) तार, उसे बुलाने के लिए।
(ख) वह जर्जर अवस्था में थी।
(ग) तुर्की का बेड़ा उनकी खोज घटनास्थल पर नहीं करेंगे।
4. (क) ब्राउन अंग्रेजी जहाजी सेना में पनडुब्बी (सबमेरीन) का नायक रह चुका था। उसकी एक बूढ़ी माँ, पत्नी तथा दो बच्चे थे। अब वह सेवानिवृत्त होकर पेंशन प्राप्त कर रहा था। कहने को तो वह अधेड़ था; किंतु स्वस्थ था। वह प्रायः अपने बच्चों को समुद्री अनुभव सुनाता था।
(ख) चर्चिल ने ब्राउन को बताया कि 'तुर्की का ड्रेडनॉट' जहाज भूमध्य सागर में उनके लिए परेशानी पैदा कर रहा था। चर्चिल चाहता था कि वह उसे नष्ट कर दे। ब्राउन ने चर्चिल से कहा कि वह उसे वह पनडुब्बी दिखाए जिससे ड्रेडनॉट को नष्ट करना है। ब्राउन अपनी मातृभूमी की सेवा करने के लिए तैयार हो गया।
(ग) ब्राउन ने 'ड्रेडनॉट' पर टारपीडो तैयार करके दागने का हुक्म दिया, जहाज राजधानी के बंदरगाह पर खड़ा था। जैसे ही इंजीनियर ने टारपीडो छोड़ा, वह ड्रेडनॉट की सीध में चला गया। देखते-ही-देखते ब्राउन का टारपीडो

ड्रेडनॉट की छाती पर पड़ा। तुरंत एक भयानक विस्फोट हुआ। चारों तरफ धुआँ तथा आग की लपटें दिखाई दी। इसके बाद अनेक धमाके हुए। कुछ ही क्षणों में तुर्की के 'ड्रेडनॉट' का नामोनिशान तक नहीं बचा था।

(घ) इंग्लैंड ने ब्राउन को मातृभूमि की सेवा करने एवं तुर्की के 'ड्रेडनॉट' को नष्ट करने के लिए सम्मान के रूप में 'विक्टोरिया क्रॉस' दिया गया। उसका भव्य स्वागत किया गया।



व्याकरण बोध



- माँ बोलतीं, "पेंशन दे दी है। कम-से-कम अब तो ब्राउन को आराम करने दें।"
"देखूँ चर्चिल ने क्यों बुलाया? न मालूम क्या बात है? जाने पर पता चलेगा?"
धीमे स्वर में ब्राउन ने कहा। "हमें पूरी कहानी सुनाइए, कहानी अधूरी है।"
एक बच्चे ने आग्रह किया।
- (क) ठंडक, ठंडी (ख) तापमान, तापीय (ग) तारक, तारामंडल
(घ) युद्धक, योद्धा (ङ) गीतकार, गीता (च) तोपची, तोपें
- (क) मुझे गीतों की एक पुस्तक दीजिए।
(ख) हंस पानी में तैर रहा है।
(ग) रिया आज विद्यालय में अनुपस्थित है।
(घ) ये हस्ताक्षर मेरे ही हैं।
(ङ) युवक-युवतियों को आगे आना चाहिए।
- (क) प्रतिकूल (ख) विध्वंस (ग) विषम (घ) असफल
(ङ) कल (च) अयोग्य

अपठित गद्यांश

- (क) वह बार-बार अपनी झोली में हाथ डालकर कुछ टटोल लेता था।
(ख) जंगल में अँधेरा है। अमावस है। चोर, लफंगे, लुटेरे आदि का डर आदि।
(ग) सोने की ईंट में।
(घ) शिष्या – शिष्या ने अपनी शिक्षिका का सम्मान किया।

युवती – 25 वर्षीय युवती ने प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

17. हिंदी की आत्मकथा



सोचकर बताइए

(क) हिंदी।

(ख) हिंदी।

(ग) हिंदी।

लिखित प्रश्न

1. क (iv) ख (ii) ग (iii) घ (ii)

2. क ✓ ख ✗ ग ✓ घ ✗ ङ ✓

3. (क) इसके उच्चारण व लेखन में एकरूपता है।

(ख) मुगलों ने फ़ारसी तथा अंग्रेज़ों ने अंग्रेज़ी को राजभाषा बनाया।

(ग) जब इसकी घोर उपेक्षा होती है।

(घ) भारतेन्दु, हरिश्चंद्र, प्रेमचंद्र, निराला, महादेवी वर्मा, बच्चन तथा दिनकर जी।

4. (क) वर्तमान में हिंदी कहीं बेहतर स्थिति में है। यह भारत की राष्ट्रभाषा तथा राजभाषा है। भारत के अधिकतर राज्यों में हिंदी का बोलबाला है। यह विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा है। इसकी लिपि देवनागरी है। इसके साथ ही हिंदी किसी की राजभाषा भी है। साथ ही विश्व के कई देशों, जैसे— मॉरीशस, त्रिनियाय, गुयाना, सूरीनाम, टोबैगो आदि, के लोगों के द्वारा हिंदी लिखी-बोली जाती है।

(ख) हिंदी उत्थान के लिए, हरिवंश राय 'बच्चन' ने अंग्रेज़ी का प्राध्यापक होकर हिंदी में लेखक कार्य किया। इसके अतिरिक्त, कई स्वनामधन्य तथा अन्य रचनाकारों ने अपना संपूर्ण जीवन हिंदी के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने हिंदी में प्रवाहमयी, ओजपूर्ण, रसयुक्त एवं भावनात्मक रचनाएँ लिखीं।

(ग) प्राचीनकाल में पूरी दुनिया के छात्र तक्षशिला, नालंदा तथा विक्रमशिला विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। प्राचीनकाल से ही भारत की छवि विश्वगुरु की रही है। भारतीय संस्कृति के मूल तत्व आज भी उदार तथा महान हैं।

(घ) आज आधुनिकता के नाम पर समाज में ऐसा वर्ग बन गया है जो नकल तथा कृत्रिमता को ही आधुनिकता का पर्याय मान चुका है। ऐसा वर्ग इस कृत्रिमता में सुख को ढूँढता है।



व्याकरण बोध



- (क) हूँ (ख) हुई (ग) घोषित किया गया (घ) है
- (क) राष्ट्र की भाषा (ख) राज्य की भाषा (ग) राष्ट्र का अध्यक्ष
(घ) पतन की ओर उन्मुख (ङ) भाषा और संस्कृति
(च) शक्ति के अनुसार
- (क) विद्या + आलय (ख) सर्व + अधिक (ग) निर् + अन्तर्
(घ) उत् + नति (ङ) निः + स्वार्थ (च) राष्ट्र + अध्यक्ष
- (क) प्रसन्न, ता (ख) प्राथमिक, ता (ग) स्वाधीन, ता
(घ) स्वभाव, इक (ङ) अपमान, इत (च) स्वतंत्र, ता

18. प्रेम में परमेश्वर



सोचकर बताइए

- (क) गाँव में।
(ख) मूरत के पुराने मित्र ने।
(ग) गरीब स्त्री को लोई तथा बच्चे को मिठाई।

लिखित प्रश्न

- क (ii) ख (iii) ग (iii) घ (iii)
- किसने कहा? किससे कहा?
(क) मूरत ने मित्र से
(ख) मित्र ने मूरत से
(ग) मूरत ने लालू से
(घ) स्त्री ने मूरत से
(ङ) सेबवाली ने मूरत से

3. (क) अपने पुत्र की अकाल मृत्यु का।
 (ख) प्रभु की निष्काम भक्ति करने का।
 (ग) लालू, स्त्री, सेबवाली, तथा छोटा बालक।
4. (क) मूरत ईमानदार, प्रभु भक्त, परिश्रमी एवं परोपकारी व्यक्ति है। वह सदा प्रभु भक्ति में लीन रहकर लोगों की सेवा करता है। वह सदाचारी, सत्य-वक्ता, व्यावहारिक और सुशील है।
 (ख) मूरत के मन में प्रभु भक्ति का विश्वास उसके पुराने मित्र ने जगाया था। मित्र ने मूरत से कहा कि परमात्मा की निष्काम भक्ति करने से उसका अंतःकरण शुद्ध होगा। सब कार्य परमेश्वर को अर्पित करके जीवन बिताने से उसे परमानंद प्राप्त होगा।
 (ग) अब मूरत ने मित्र की सलाह पर ग्रंथ पढ़ने शुरू कर दिए। वह रात के बारह बजे तक गीता का पाठ करता तथा उसके उपदेशों पर ध्यानपूर्वक विचार करता। अब वह सदा प्रभु भक्ति में लीन रहकर आनंदपूर्वक जीवन व्यतीत करने लगा।
 (घ) मूरत ने सेबवाली से कहा कि वह बालक को क्षमा कर दे। उसने कहा कि बदला तथा दंड देना तो मनुष्यों का स्वभाव है; परमात्मा का नहीं। वह तो बहुत दयावान है। उसने आगे कहा कि यदि सेब चुराने का कठिन दंड बालक को दिया जाना चाहिए तो हमें हमारे अनंत पापों का क्या दंड मिलना चाहिए।



व्याकरण बोध



1. (क) टैक्स, हाथ (ख) श्रेष्ठ, दूल्हा (ग) योग, वंश
 (घ) दिशा, जवाब (ङ) बंदर, विष्णु
 (च) मशीन, आने वाला दिन या बीता हुआ दिन
2. (क) दार (ख) आपा (ग) पन (घ) आऊ (ङ) ई (च) वान
3. **समस्त पद** **समास**
 (क) महावीर कर्मधारथ
 (ख) सुख-दुख द्वंद्व

(ग) कमल नयन

कर्मधारय

(घ) यथाशक्ति

अव्ययीभाव

(ङ) राजपुत्र

तत्पुरुष

4. (क) नायिका (ख) गुणवती (ग) विदूषी (घ) आयुष्मति
(ङ) श्रीमति (च) स्वामिनी

पठित गद्यांश

(क) ग्रंथों को।

(ख) वह सदा परमात्मा की भक्ति में लीन रहता था।

(ग) क्या ईश्वर को मुझ पर दया नहीं करनी चाहिए?

(घ) सुदामा तथा शबरी की।

(ङ) निर्दयता।